बुद्ध के अवशेष उजागर करने हेतु उत्खनन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वित्ति राज्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश के **महाराजगंज ज़िले के रामग्राम में पुरातात्वकि उत्खनन का उद्घाटन किया।**

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) **की अगुवाई** में चल रही इस परियोजना का उद्देश्य भगवान बुद्ध **के आठवें अवशेष के साक्ष्य को उजागर करना है,** जिसके बारे में माना जाता है कि वह इसी स्थल पर दफन है।

मुख्य बदिु

- **ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्त्व:**
    - यह स्थल **उन आठ स्थानों में से एक है जहाँ भगवान बुद्ध के अवशेष रखे गए थे तथा बौद्ध परम्पराओं** में इसका अत्यधिक महत्त्व है।
    - यह **सोहगीबरवा वन्यजीव प्रभाग के अंतर्गत स्थित है** और **ऐतिहासिक रूप से प्राचीन कोलिया साम्राज्य से जुड़ा हुआ है।**
    - कोलिया उत्तर-पूर्वी दक्षिण एशिया का एक **प्राचीन** इंडो-आर्यन वंश था जिसका अस्तित्व लौह युग के दौरान प्रमाणित होता है।
- **क्षेत्रीय विकास की संभावना:**
    - आशा है कि उत्खनन से यह स्थान एक प्रमुख **बौद्ध तीर्थ स्थल में बदल जाएगा।**
    - इस विकास से क्षेत्र में **पर्यटन को बढ़ावा मिलने तथा आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलने की आशा है।**
- **वैश्विक मान्यता पर ध्यान:**
    - इस परियोजना का उद्देश्य इस स्थल को वैश्विक बौद्ध तीर्थयात्रा सर्किट में एकीकृत करना है।
    - स्थानीय प्राधिकारियों को उम्मीद है कि **अंतर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रियों और विद्वानों की यात्रा में वृद्धि होगी,** जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक छवि में वृद्धि होगी।

सोहागी बरवा वन्यजीव अभयारण्य

- **परिचय:**
    - **यह उत्तर प्रदेश के महाराजगंज ज़िले** में स्थित है।
    - उत्तर में **यह अभयारण्य नेपाल के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है** तथा पूर्व में बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व **के साथ सीमा साझा करता है।**
    - इसे **जून 1987 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया।**
- **जल निकासी:**
    - इसमें ग्रेट गंडक, लिटिल गंडक, प्यास और रोहिन नदियाँ बहती हैं।
- **वनस्पति:**
    - लगभग 75% क्षेत्र साल के वनों से आच्छादित है तथा अन्य आर्द्र क्षेत्र **जामुन, गुटल, सेमल, खैर आदि के वृक्षों से आच्छादित हैं।**
    - अभयारण्य का निचला क्षेत्र, जो बारिश के दौरान जलमग्न हो जाता है, **घास के मैदानों और बेंत के वनों से युक्त है।**
- **जीव-जंतु:**
    - यहाँ विभिन्न प्रकार के जानवर रहते हैं जिनमें मुख्य रूप से तेंदुआ, बाघ, **जंगली बिल्ली, छोटी भारतीय सिवेट, लंगूर, हरिण, नीलगाय, जंगली सूअर, साही आदि शामिल हैं।**

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/excavation-to-uncover-buddha-s-relics